बृहस्पतिवार
31 मार्च 2022

पृष्ठ 4

गर्मी में शरीर के लिए सबसे फायदेमंद फल है खरबूजा

पृष्ठ 5

कृष 4 के लिए तैयार ऋतिक और राकेश रोशन

- देहरादून
- वर्ष 30
- अंक 63
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

आँख के अंधे को दुनिया नहीं दिखती, काम के अंधे को विवेक नहीं दिखता, मद के अंधे को अपने से श्रेष्ठ नहीं दिखता और स्वार्थी को कहीं भी दोष नहीं दिखता।
— चाणक्य

दून वैली मेल

आर.एन.आई.- 59626/94
साध्य दैनिक
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हरक के कामों की हो सीबीआई जांच

विशेष संवाददाता

देहरादून। यूं तो पूर्व काबीना मंत्री डॉ हरक सिंह का विवादों से गहरा नाता रहा है। भले ही उन्हें भाजपा से निष्कासित किया जा चुका हो और कांग्रेस में भी टिकट न मिलने के कारण वह अब न मंत्री रहे न विधायक हों, लेकिन विवाद अभी भी उनका पीछा नहीं छोड़ रहे हैं। अब लैंसडौन विधायक दिलीप रावत ने उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उनके मंत्रित्व काल के कामों की सीबीआई जांच कराने की मांग की है जो उनकी मुश्किलें बढ़ा सकती है।

दिलीप रावत ने डॉ हरक सिंह रावत पर 2017 से 2021 के दरमियान वन मंत्री और श्रम कर्मकार कल्याण बोर्ड की जिम्मेदारी रहने के दौरान व्यापक भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को एक पत्र लिखकर उनके कार्यकाल के कामों की सीबीआई जांच कराने की मांग की है।

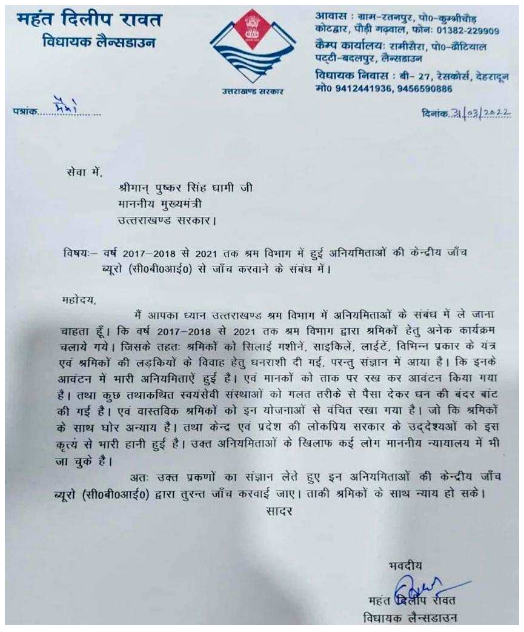

महंत दिलीप रावत
विधायक लैन्सडाउन

उत्तराखण्ड सरकार

आवास : ग्राम–रतनपुर, पो0–कुम्भीचौड़ कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल, फोनः 01382-229909
कैम्प कार्यालयः रामीसैरा, पो0–ढौंटियाल पट्टी–बदलपुर, लैन्सडाउन
विधायक निवास : बी– 27, रेसकोर्स, देहरादून
मो0 9412441936, 9456590886

पत्रांक....मैमो.......

दिनांक 31/03/2022

सेवा में,
श्रीमान् पुष्कर सिंह धामी जी
माननीय मुख्यमंत्री
उत्तराखण्ड सरकार।

विषयः– वर्ष 2017–2018 से 2021 तक श्रम विभाग में हुई अनियमिताओं की केन्द्रीय जाँच ब्यूरो (सी0बी0आई0) से जाँच करवाने के संबंध में।

महोदय,

मैं आपका ध्यान उत्तराखण्ड श्रम विभाग में अनियमिताओं के संबंध में ले जाना चाहता हूँ। कि वर्ष 2017–2018 से 2021 तक श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों हेतु अनेक कार्यक्रम चलाये गये। जिसके तहतः श्रमिकों को सिलाई मशीनें, साइकिलें, लाईटें, विभिन्न प्रकार के यंत्र एवं श्रमिकों की लड़कियों के विवाह हेतु धनराशी दी गई, परन्तु संज्ञान में आया है। कि इनके आवंटन में भारी अनियमिताऐं हुई है। एवं मानकों को ताक पर रख कर आवंटन किया गया है। तथा कुछ तथाकथित स्वयंसेवी संस्थाओं को गलत तरीके से पैसा देकर धन की बंदर बांट की गई है। एवं वास्तविक श्रमिकों को इन योजनाओं से वंचित रखा गया है। जो कि श्रमिकों के साथ घोर अन्याय है। तथा केन्द्र एवं प्रदेश की लोकप्रिय सरकार के उद्देश्यओं को इस कृत्य से भारी हानी हुई है। उक्त अनियमिताओं के खिलाफ कई लोग माननीय न्यायालय में भी जा चुके है।

अतः उक्त प्रकणों का संज्ञान लेते हुए इन अनियमिताओं की केन्द्रीय जाँच ब्यूरो (सी0बी0आई0) द्वारा तुरन्त जाँच करवाई जाए। ताकी श्रमिकों के साथ न्याय हो सके।

सादर

भवदीय
महंत दिलीप रावत
विधायक लैन्सडाउन

●विधायक दिलीप रावत ने लिखा सीएम को पत्र
●मंत्री रहते भ्रष्टाचार में संलिप्त होने का आरोप

2016 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए डॉ हरक सिंह भले ही अब भाजपा में न सही लेकिन 2017 से 2021 तक वह भाजपा सरकार में वन मंत्री रहे। इस दौरान अधिकारियों की नियुक्तियों और तमाम मामलों को लेकर उनकी सरकार के साथ तकरार बनी रही थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने उन्हें कुछ शिकायतें मिलने के कारण श्रम कर्मकार कल्याण बोर्ड से हटा दिया गया था। उल्लेखनीय है कि श्रम कल्याण बोर्ड द्वारा श्रमिकों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं जिसमें उन्हें सिलाई मशीनें, साइकिले, लाइटें तथा अन्य यंत्र और औजार प्रदान किए जाते हैं तथा लड़कियों की शादी के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। दिलीप रावत का आरोप है कि उन्होंने मंत्री रहते कुछ एनजीओ को अनुचित तरीकों से लाभ पहुंचाया गया है तथा वन विभाग और श्रम कल्याण बोर्ड में तमाम काम नियम कानूनों को ताक पर रखकर किए गए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखकर उनके पूरे कार्यकाल के कामों की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। अगर ऐसा कुछ होता है तो डॉ हरक सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती है।

मुख्यमंत्री ने की चारधाम यात्रा की तैयारियों की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि चार धाम यात्रा के माध्यम से देश–विदेश में अतिथि देवो भवः का संदेश जाना चाहिए। इस बार बहुत अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के आने की सम्भावना है। चार धाम यात्रा की तैयारियां उसी के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री सचिवालय में चारधाम यात्रा २०२२ की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने यात्रा को श्रद्धालुओं की लिए अधिक से अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

❑सुविधाजनक चारधाम यात्रा के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग को यात्रा मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर, सभी आवश्यक सुधार कार्य यात्रा प्रारम्भ होने से पूर्व सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही संबंधित जिलाधिकारियों को भी यात्रा मार्गों पर कार्यों की प्रगति की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये। मार्ग अवरूद्ध होने की स्थिति में तत्काल खोलने के लिए जरूरी मशीनों की व्यवस्था व तैनाती कर ली जाए। जेसीबी मशीनों की ट्रेकिंग के लिए उन्हें जीपीएस

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

महंगाई के खिलाफ राहुल की अगुवाई में कांग्रेस नेताओं ने दिया धरना

नई दिल्ली । पेट्रोल–डीजल के बढ़ते दामों के खिलाफ कांग्रेस ने संसद के बाहर भी प्रदर्शन शुरू कर दिया। राहुल गांधी की अगुवाई कांग्रेस नेताओं ने आज विजय चौक पर विरोध–प्रदर्शन करते हुए धरना दिया। धरने पर बैठे राहुल गांधी ने कहा कि पिछले १० दिन में ६ बार पेट्रोल–डीज़ल के दाम बढ़ाए गए हैं और इसका परिणाम मध्यम वर्ग और गरीब लोगों पर पड़ता है। हमारी मांग है कि सरकार पेट्रोल–डीज़ल के दाम को बढ़ाना बंद करें। पूरे देश में हमारा प्रदर्शन चलेगा और काफी दिनों तक चलेगा।

प्रदर्शन में शामिल पार्टी के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा, जब पेट्रोल–डीज़ल के दाम बढ़ते हैं तब हर चीज़ के दाम बढ़ते हैं। जब दुनिया में कच्चे तेल के दाम सबसे कम थे तब भी यह सरकार पेट्रोल–डीज़ल के दाम बढ़ा रही थी। १०१ रुपये का तेल भराने में ५२ रुपये सरकार के पास एक्साइज टैक्स के रूप में जा रहे हैं। राहुल गांधी के अलावा लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और कई अन्य सांसद भी धरने में शामिल हुए। कांग्रेस सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 1,225 नए मामले, संक्रमण से 28 और लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस के मामलों में लगातार राहत मिल रही है। कोविड–१९ के नए केस में लगातार दर्ज हो रही गिरावट के चलते देश में एक्टिव केस की संख्या १४ हज़ार रह गयी है। वहीं कोरोना वायरस से रोजाना ठीक होने वाले मरीजों की संख्या में इजाफा जारी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुरुवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक दिन में कोविड–१९ के १,२२५ नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर ४,३०,२४,४४० हो गई। वहीं, २८ और लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर ५,२१,१२६ हो गई है। देश में कोविड–१९ के एक्टिव केस की

संख्या घटकर १४,३०७ रह गई है, जो कुल मामलों का ०.०३ प्रतिशत है।

मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, पिछले २४ घंटे में एक्टिव केस की संख्या में ३९७ की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की नेशनल रेट ९८.७६ प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण का डेली रेट ०.२० प्रतिशत और वीकली रेट ०.२३ प्रतिशत है। देश में अभी तक ७८.६१ करोड़ से अधिक सैंपल की कोविड–१९ संबंधी टेस्टिंग की गई है, जिनमें से ६,०७,९८७ सैंपल की टेस्टिंग पिछले २४ घंटे में की गई।

वही दूसरी ओर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने संक्रमण के तीन संभावित स्वरूपों के बारे में आगाह किया है जो नए और अधिक विषाणु वाले हो सकते हैं। हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने कहा कि आने वाले समय में कोविड के खिलाफ बढ़ती इम्युनिटी की वजह से बीमारी का खतरा समय के साथ कम हो जाएगा। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस एडनॉम ने अपनी कोविड–१९ रणनीतिक तैयारी, तत्परता और प्रतिक्रिया योजना जारी की. उन्होंने यह उम्मीद जताई कि अब कोविड का अंत होगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

सशक्त विपक्ष शुभ संकेत

उत्तराखंड विधानसभा का पहला सत्र काफी हंगामेदार रहा, विपक्षी नेताओं ने जनहित के मुद्दों को लेकर जिस तरह का आक्रामक रुख अपनाया उससे एक बात साफ हो गई है कि कांग्रेस एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाएगी। पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में भले ही वह सुस्त दिखी हो लेकिन इस बार हार के बावजूद भी वह सदन से लेकर सड़कों तक सरकार की घेराबंदी में कोई कमी नहीं रखने वाली है। वर्तमान सत्र में कांग्रेस ने किसानों के गन्ना भुगतान और बिजली कनेक्शन काटे जाने तथा महंगाई के मुद्दे पर पूरी ताकत के साथ सरकार को घेरने की कोशिश की गई। भले ही कांग्रेसी नेताओं द्वारा उठाई गई इस समस्या पर पीठ द्वारा नियम 58 के तहत चर्चा कराने की अनुमति न दी गई हो लेकिन अपनी बात वह सरकार तक पहुंचाने और अपने मंसूबों को प्रकट करने में जरूर सफल रही है। हालांकि कांग्रेस ने चुनाव में महंगाई के मुद्दे को प्रमुखता से लिया था मगर लोगों ने उसे तवज्जो नहीं दी और कांग्रेस चुनाव हार गई। लेकिन चुनाव निपटने के बाद जिस तरह से पेट्रोल और डीजल तथा रसोई गैस की कीमतें बढ़ रही है वह आम आदमी के जीवन को प्रभावित कर रही हैं और कांग्रेस इसे न सिर्फ सदन में पूरी मुस्तैदी से उठा रही है बल्कि सड़कों पर इसके खिलाफ प्रदर्शन करके जनता का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही है। गन्ना किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान की समस्या से सभी वाकिफ हैं राज्य के गन्ना किसानों का चीनी मिलों पर 144 करोड़ रुपया बकाया है। जब किसानों को अपनी फसल के पैसे का भुगतान नहीं हो पा रहा है तो ऐसे में गन्ना किसान बिजली का बिल कहां से जमा करें? यह एक सामान्य समस्या है। लेकिन गंन्ने का बकाया भुगतान न होने से किसान दोहरी मार झेल रहे हैं उनकी अपनी जरूरतें कैसे पूरी हो रही है? इससे तो सरकार को सरोकार है ही नहीं। उल्टा बिजली बिल जमा न करने के कारण उनके बिजली कनेक्शन काटे जा रहे हैं। जिसे लेकर कल कांग्रेसी विधायकों के तेवर तल्ख देखे गए। यह सच है कि किसानों की अपनी समस्याएं गंभीर तो है ही लेकिन इस चुनाव में हरिद्वार और उधम सिंह नगर जैसे किसान बाहुल्य क्षेत्र में अपेक्षित सफलता नहीं है। कांग्रेस का आरोप है कि इसीलिए सत्ता में बैठे लोग अब किसानों के उत्पीड़न पर उतर आए हैं और उन्हें राजनीतिक बदले की भावना के कारण परेशान किया जा रहा है। विपक्ष कांग्रेस का यह आरोप भले ही राजनीतिक आरोप सही लेकिन यह सच है कि कांग्रेस अब ऐसा कोई भी मुद्दा छोड़ना नहीं चाहती जो सरकार की कमजोरियों से जुड़ा हो। अवैध खनन का मुद्दा भी वैसा ही मुद्दा है। इस मुद्दे को लेकर पूर्व सीएम हरीश रावत धामी को खनन प्रेमी मुख्यमंत्री बताकर हमला बोलते रहे हैं। यह सूबे की राजनीति के भविष्य के लिए अत्यंत ही शुभ संकेत है। क्योंकि बिना मजबूत विपक्ष के सत्ता पक्ष का सुस्त होना और मनमाने तरीके से काम करना स्वाभाविक है।

एनएच-72 के लिए 1093 करोड़ का बजट जारी

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। हरिद्वार से अंबाला के लिए प्रस्तावित 200 किलोमीटर लंबे हाईवे के निर्माण कार्य के लिए सड़क एवं परिवहन मंत्रालय द्वारा पहली किस्त जारी कर दी गई है। इस आशय की जानकारी सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा एक ट्विट के जरिए दी गई। हरिद्वार से अंबाला को जोड़ने वाले इस हाइवे के लिए मंत्रालय द्वारा 1093.01 करोड़ रुपए जारी कर दिए गए हैं जिससे अब इसके निर्माण का कार्य शीघ्र शुरू हो सकेगा।

लोक प्रसारण चुनौतियां एवं भविष्य विषय पर हुई संगोष्ठी

अल्मोड़ा (आरएनएस)। अल्मोड़ा में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत एसएसजे परिसर के इतिहास विभाग में ब्भारत में लोक प्रसारण चुनौतियां एवं भविष्य विषय पर संगोष्ठी हुई। गोष्ठी में वक्ताओं ने तकनीकि युग में लोक प्रसारण पर विचार रखे। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता आकाशवाणी अल्मोड़ा के निदेशक प्रतुल जोशी ने कहा कि भारत एक बहुसांस्कृतिक देश है। जिसमें लोक प्रसारण की अहम भूमिका है। वर्तमान में लोक प्रसारण के समक्ष वैश्विक और निजीकरण जैसे कारकों से कई समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। लोक प्रसारण की प्रासंगिकता के कारण ही लोग आज के डिजिटल युग में भी रेडियो से जुड़े हैं। इस मौके पर कई वक्ताओं ने अपने–अपने विचार रखें। यहां अधिष्ठाता प्रशासन प्रो. प्रवीण सिंह बिष्ट, प्रो. बीडीएस नेगी, डॉ. चंद्र प्रकाश फुलोरिया, डीएसडब्लू प्रो. इला साह, प्रो. जेएस बिष्ट, प्रो. निर्मला पंत, प्रो. एएस अधिकारी, डॉ. तेजपाल सिंह, डॉ. नंदन बिष्ट, डॉ. मनोज बिष्ट, डॉ. गोकुल देउपा, प्रेमा खाती, डॉ. लक्ष्मी वर्मा, रवि कुमार समेत कई शोधार्थी मौजूद रहे।

कॉमन एंट्रेस टेस्ट के खतरे

अजीत द्विवेदी

नई शिक्षा नीति के तहत केंद्र सरकार ने सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातक कक्षाओं में दाखिले के लिए एक साझा दाखिला परीक्षा कराने का ऐलान किया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने कॉमन यूनिवर्सिटीज एंट्रेस टेस्ट यानी सीयूईटी 2022 की आवेदन प्रक्रिया और परीक्षा का फॉर्मेट आदि जारी कर दिया है। पहली नजर में देखने पर ऐसा लग रहा है कि यह बहुत अच्छी पहल है क्योंकि इससे केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले की चाहत रखने वाले सभी छात्रों को बराबरी का मैदान मिलेगा। यह इसलिए जरूरी लग रहा है क्योंकि पिछले कुछ समय से कई राज्यों की बोर्ड परीक्षाओं में और केंद्रीय माध्यमिक परीक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की परीक्षाओं में भी 99 और सौ फीसदी अंक हासिल करने वाले छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इसलिए दिल्ली विश्वविद्यालय सहित कई और विश्वविद्यालयों में दाखिले का कटऑफ सौ फीसदी तक जा रहा है।

यूजीसी के इस फैसले की मोटे तौर पर वाहवाही ही हो रही है। ऐसा लग रहा है कि इससे 12वीं पास करके उच्च शिक्षा हासिल करने की चाहत रखने वाले छात्रों की सारी समस्याओं का हल हो जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं है। जिस तरह जेईई की परीक्षा के जरिए इंजीनयरिंग और नीट की परीक्षा के जरिए मेडिकल में दाखिले की व्यवस्था छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं करती हैं वैसे ही यह एंट्रेस टेस्ट भी किसी समस्या का समाधान नहीं है। उलटे इससे कुछ नई समस्याएं पैदा हो सकती हैं, जैसे नीट की परीक्षा के कारण तमिलनाडु में पैदा हुई है। बहरहाल, सबसे पहली बात तो यह है कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए परीक्षा की व्यवस्था शुरू होने से 12वीं के अंकों का महत्व खत्म हो जाएगा। दाखिला परीक्षा में शामिल होने के लिए न्यूनतम अंक हासिल करने की एक अर्हता रखी जाएगी, उसके अलावा इन अंकों का कोई महत्व नहीं होगा।

इसका पहला असर तो यह होगा कि पढ़ाई का पूरा पैटर्न बदल जाएगा। बोर्ड की परीक्षा के लिए अभी छात्र समग्रता में पढ़ाई करते हैं। क्योंकि उन्हें पता है कि इस अंक के आधार पर उनको अच्छे विश्वविद्यालय और मनपसंद कोर्स में दाखिला मिलेगा। अगर अच्छे विश्वविद्यालय और मनपसंद कोर्स के लिए 12वीं के अंकों का महत्व खत्म हो जाएगा तब छात्र क्लासरूम की पढ़ाई पर कम ध्यान देंगे। फिर उनकी पढ़ाई सीधे दाखिला परीक्षा की तैयारियों पर केंद्रित हो जाएगी। जाहिर है यह पढ़ाई क्लासरूम में नहीं होगी। जिस तरह इंजीनियरिंग और मेडिकल में दाखिले की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थान देश भर में कुकुरमुत्ते की तरह उगे हैं उसी तरह केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले की परीक्षा की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थान भी पैदा होंगे। यहीं से गैर-बराबरी वाली व्यवस्था शुरू हो जाएगी। दाखिले के लिए परीक्षा आयोजित करने के पक्ष में यह दलील दी जा रही है कि इससे सभी छात्रों को बराबरी का मैदान मिलेगा लेकिन असल में यह अधूरी दलील है। एक तरफ वे छात्र होंगे, जो महंगे कोचिंग में जाकर या महंगे शिक्षक से पढ़ाई करके दाखिला परीक्षा की तैयारी करेंगे और दूसरी ओर वे छात्र होंगे, जो क्लासरूम की पढ़ाई के आधार पर दाखिला परीक्षा में बैठेंगे। दोनों के नतीजों में जमीन आसमान का फर्क होगा। ठीक उसी तरह जैसे जेईई और नीट की परीक्षा में होता है। दिल्ली से लेकर कोटा तक फैले कोचिंग संस्थानों से पढ़ाई करके इंजीनियरिंग, मेडिकल की दाखिला परीक्षा में बैठने वालों का बाकी छात्रों से कोई मुकाबला नहीं रह जाता है। इसी वजह से तमिलनाडु सरकार नीट का विरोध कर रही है क्योंकि वहां 12वीं के अंकों के आधार पर गरीब से गरीब छात्र को भी सरकारी मेडिकल कॉलेज में दाखिला मिलता है। इसलिए स्नातक कक्षाओं में अंक की बजाय एंट्रेस टेस्ट के आधार पर दाखिले की व्यवस्था एक किस्म की गैर बराबरी को खत्म करके उससे बड़ी दूसरे किस्म की गैर बराबरी की व्यवस्था बनाने वाली साबित होगी।

दाखिले के लिए परीक्षा आयोजित करने के पक्ष में यह दलील दी जा रही है कि इससे सभी छात्रों को बराबरी का मैदान मिलेगा लेकिन असल में यह अधूरी दलील है। एक तरफ वे छात्र होंगे, जो महंगे कोचिंग में जाकर या महंगे शिक्षक से पढ़ाई करके दाखिला परीक्षा की तैयारी करेंगे और दूसरी ओर वे छात्र होंगे, जो क्लासरूम की पढ़ाई के आधार पर दाखिला परीक्षा में बैठेंगे। दोनों के नतीजों में जमीन आसमान का फर्क होगा। ठीक उसी तरह जैसे जेईई और नीट की परीक्षा में होता है।

दाखिले के लिए एक परीक्षा कराने के फैसले की दूसरी कमी यह है कि इसके आधार किसी छात्र का समग्रता में मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा। ध्यान रहे 12वीं की परीक्षा में मिला अंक किसी एक परीक्षा का नतीजा नहीं होता है। वह 12वीं तक की पूरी पढ़ाई का प्रतिबिंब होता है। छात्र कई तरह की लिखित परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा और व्यक्तित्व के विकास के दौर से गुजर कर 12वीं पास करता है। इसलिए 12वीं की परीक्षा में मिले अंक एक छात्र के समग्र मूल्यांकन का आधार बनाते हैं। इसके उलट दाखिला परीक्षा किसी छात्र के ओवरऑल मूल्यांकन का आधार नहीं बन सकती है। हो सकता है कि 12वीं तक की पढ़ाई बहुत अच्छे से करने वाला छात्र दाखिला परीक्षा में अच्छा नहीं कर पाए और उसे किसी अच्छे विश्विद्यालय में दाखिला नहीं मिले। यह उसके साथ अन्याय होगा। सोचें, इंजीनियरिंग में दाखिले के लिए अब दो बार जेईई की परीक्षा कराई जा रही है ताकि छात्रों को दूसरा मौका मिल सके। क्या केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिला चाहने वाले छात्रों को दूसरा मौका मिलेगा?

एक तीसरी समस्या विस्थापन की है। अगर देश के सभी 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले की एक केंद्रीकृत परीक्षा होगी तो उससे देश भर के युवा छात्रों में बड़ा विस्थापन होगा। किशोर उम्र के बच्चों को अपना घर और परिवेश छोड़ कर दूसरी जगह जाना पड़ सकता है। ऐसा नहीं है कि अभी 12वीं के बाद छात्र अपना घर और परिवेश नहीं छोड़ते हैं लेकिन वह उनकी इच्छा पर निर्भर होता है। मौजूदा व्यवस्था में स्नातक की पढ़ाई के लिए विस्थापन बहुत कम है और कुछ खास शहरों के लिए है। जैसे देश भर के छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए आवेदन करते हैं या जामिया यूनिवर्सिटी में या अलीगढ़ यूनिवर्सिटी में या बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लिए आवेदन करते हैं। परंतु ज्यादातर छात्र अपने राज्य में स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय या राज्य के विश्वविद्यालय में ही पढ़ने को प्राथमिकता देते हैं। ऐसा कम होता है या नहीं होता है कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के छात्र बीएचयू में पढ़ाई के लिए आवेदन कर रहे हैं या केरल के छात्र बिहार के किसी केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए आवेदन करते हैं। बिहार के छात्र तो हो सकता है कि हैदराबाद में केंद्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ने चले जाएं लेकिन यह मुश्किल है कि हैदराबाद का कोई छात्र बिहार में मोतिहारी के महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने जाए।

ध्यान रहे सीयूईटी में 13 से 19 भाषाओं में परीक्षा होगी। ऐसे में अगर तमिल भाषा में पढ़ाई करने वाले 12वीं के किसी छात्र को कॉमन एंट्रेस टेस्ट के नतीजे के आधार पर बंगाल या ओड़िशा में दाखिला मिल रहा हो तो वह क्या करेगा? या बिहार बोर्ड से हिंदी में पढ़ाई करने वाले किसी छात्र को रैंकिंग के आधार पर तमिलनाडु या केरल के किसी केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिला मिल रहा हो तो वह क्या करेगा? जाहिर है वह अपनी भाषा और परिवेश छोड़ कर जाने की बजाय अपने राज्य के विश्वविद्यालय में दाखिले को प्राथमिकता देगा। इससे कई तकनीकी समस्याएं पैदा होंगी। सो, कुल मिला कर यह व्यवस्था छात्रों का समग्रता से मूल्यांकन करने वाली नहीं है। इसमें सभी छात्रों के लिए बराबरी का मैदान भी सुनिश्चित नहीं होता है और तीसरा, इससे कच्ची उम्र में छात्र अपनी भाषा और परिवेश से कट जाएंगे, जो ओवरऑल उनके व्यक्तित्व के विकास में बाधक बनेगा।

भुवनस्य पितरं गीर्भिराभी रुद्रं दिवा वर्धया रुद्रमक्तौ।
बृहन्तमृष्वमजरं सुषुम्नमृधग्घुवेम कविनेषितासः।।
(ऋग्वेद ६–४६–१०)

हे मनुष्य ! तुम प्रबुद्ध संतो से प्रेरणा प्राप्त करो। न्यायप्रिय परमेश्वर जो दुष्टों को रुलाता है और भले मनुष्यों को सुख देता है। जो अजर है, अमर है। हमें ऐसे प्रभु की दिन–रात उत्तम कर्म और ज्ञान द्वारा स्तुति करनी चाहिए।

O Man ! You should get inspiration from enlightened sages. The just God Who makes the wicked cry and gives happiness to the good. The one who is ageless and immortal. With noble deeds and knowledge, we should praise and invoke such a Lord day and night.
(Rig Veda 6-49-10)

चोरों ने मकान से जेवरात व नगदी चुरायी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने बन्द मकान का ताला तोड वहां से लाखों रूपये के जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कालसी निवासी इन्द्र सिंह की पत्नी निशा ने कालसी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गयी थी। आज जब वह घर वापस आयी तो उसने देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके घर से सोने चांदी के जेवरात व नगदी चोरी करके ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट के मामले में एक दर्जन नामजद

संवाददाता

देहरादून। घर में घुसकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी के मामले में एक दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मन्नूगंज निवासी शिवा पाल ने अपने ही पडोस में रहने वाले विष्णु, राकेश, पूनम, नरेश सभी पुत्र नन्द किशोर व राहुल, इन्द्र, सुरजीत नीलम, उमेश, मोनू, रेनू, अमन व शुभम पर घर में घुसकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने पौटा रोड पर कुल्हाल जाने वाले रास्ते पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 13 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम शकील पुत्र जान मौहम्मद निवासी मटक माजरी, कुंजाग्रांट विकासनगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मारपीट में एक नामजद

संवाददाता

देहरादून। मारपीट का जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलाकुई निवासी मुकेश शुक्ला ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई शिवा ईडी कम्पनी के सामने खडा था तभी वहां पर सूरज आया और उसके भाई के साथ गाली गलौच करने लगा। उसके भाई ने जब उसका विरोध किया तो उसने उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

100 पेटी देशी शराब सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

चंपावत। शराब तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने कल देर रात 100 पेटी देशी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना टनकपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक शराब तस्कर के पास भारी मात्रा में देशी शराब का जखीरा रखा हुआ है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर संदीप मलिक पुत्र स्वर्गीय सुरेश पाल निवासी जाट फार्म मनिहार गोट टनकपुर को 100 पेटी देशी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

शराब पीकर छात्राओं से छेड़छाड़ मामले में दो शिक्षक निलम्बित

हमारे संवाददाता

पौड़ी। शराब पीकर छात्राओं से छेड़छाड़ किये जाने के मामले में कार्यवाही करते हुए मुख्य शिक्षा अधिकारी द्वारा आरोपी दोनों शिक्षकों को निलम्बित कर उन्हे खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कार्यालय में अटैच कर दिया गया है।

बता दें कि कुछ समय पूर्व चौबट्टाखाल तहसील के अंतर्गत जनता इंटर कालेज द्वारा एनएसएस कैम्प का आयोजन किया गया था। आरोप है कि कैंप के दौरान कालेज के हिन्दी के प्रवक्ता सतीश चन्द्र शाह और भौतिकी के प्रवक्ता डा. रमेश चन्द्र भंण्डारी द्वारा देर रात्रि शराब पीकर छात्राओं के कमरे में घुसा गया और छात्राओं से छेड़छाड़ की गयी थी। मामला संज्ञान में आने पर मुख्य शिक्षा अधिकारी डा. आनंद भारद्वाज द्वारा कार्यवाही करते हुए आरोपी दोनों शिक्षकों का निलम्बन कर उन्हे खण्ड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कार्यालय एकेश्वर में अटैच कर दिया गया है।

राजकीय महाविद्यालय पाबौ में 'नमामि गंगे' कार्यक्रम का आयोजन

विशेष संवाददाता

पौड़ी। राजकीय महाविद्यालय पाबौ में 'नमामि गंगे' कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पाबौ क्षेत्र में जन जागरूकता रैली से हुई जिसमें राजकीय महाविद्यालय पाबौ के सभी छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया और क्षेत्रवासियों को स्वच्छता जागरूकता हेतु प्रेरित किया। इसके बाद पाबौ बाजार में छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसका शीर्षक था 'नदी संरक्षण'। छात्र-छात्राओं ने इस नाटक के माध्यम से क्षेत्रवासियों को यह संदेश देने का प्रयास किया कि हमारी नदियां हमारी धरोहर हैं जिनकी स्वच्छता सरकार की ही नहीं हर नागरिक की भी जिम्मेदारी है। इस मौके पर पाबौ बाजार के व्यापारियों द्वारा हस्ताक्षर अभियान में भी प्रतिभाग किया गया और शपथ ली गई कि वह क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं तथा महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारियों द्वारा महाविद्यालय के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस उपलक्ष पर पश्चिमी नयार नदी के तट पर गंगा आरती का आयोजन भी किया गया जिसमें महिला मंगल दल एवं अन्य क्षेत्र वासियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आर.के.उभान द्वारा क्षेत्रवासियों से अपील की गई कि वह नदी तट तथा उसके आसपास के क्षेत्र में गंदगी फैलाने से बचें और अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ.मुकेश शाह द्वारा सभी क्षेत्र वासियों को इस मौके पर महाविद्यालय के सहयोग हेतु धन्यवाद प्रेषित किया गया और बताया गया क्षेत्रीय नदियों का संरक्षण करना हम सबकी जिम्मेदारी है। क्योंकि यह आने वाली पीढ़ी के लिए भी हमारे द्वारा एक अनमोल धरोहर साबित होंगी।

कांग्रेसजनों ने किया महंगाई के विरोध में प्रदर्शन

अल्मोड़ा (कासं)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा पूरे देश में चलाए गये महंगाई मुक्त भारत अभियान के तहत आज अल्मोड़ा जनपद के कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा बहुत तेजी से बढ़ती महंगाई के खिलाफ भाजपा की बहरी एवं चतुर सरकारों के विरोध में प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष पीताम्बर पाण्डे ने कहा कि भाजपा सरकार चुनावों तक महंगाई में अंकुश लगाकर सत्ता हथियाने का काम करती है तथा चुनावों के तुरन्त बाद जनता पर महंगाई का बोझ डालने का कार्य करती है।वर्तमान में प्रतिदिन पेट्रोल, डीजल,गैस,खाद्य तेल तथा अन्य सामग्री चाहे निर्माण सामग्री सीमेन्ट,लोहा हो या खाद्य पदार्थ हों उनके दाम तेजी से बढ़ाने का काम भाजपा सरकार कर रही है। कांग्रेस नगर अध्यक्ष पूरन सिंह रौतेला ने कहा कि केन्द्र सरकार कोई ना कोई बहाना देकर जनता को दोनों हाथों से लूटने का काम कर रही है।उन्होंने कहा कि महंगाई पर अंकुश लगाने का काम सरकारों पर होता है लेकिन भाजपा की बहरी सरकार इसकी अनदेखी करने का कार्य कर रही है।कांग्रेसजनों इसका कड़ा विरोध करते हैं। प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

एक अप्रैल का यही संदेश-हर बच्चे का लें प्रवेशः वृक्षमित्र डॉ सोनी

संवाददाता

देहरादून। एक अप्रैल से शुरु होने जा रहे शिक्षा सत्र में प्रवेश के लिए पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी के नेतृत्व में तथा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय हटवाल गांव के प्रधानाध्यापक नारायण प्रसाद सुयाल की अध्यक्षता में मिशन कोशिश के तहत बच्चों के स्कूलों में दाखिला के लिए विशाल रैली निकाल कर जन जन को जागरूक किया।

पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी ने कहा विगत दो सालों से कोरोना महामारी के चलते छोटे बच्चों का प्रवेश ना होने से बच्चे पढ़ाई से वंचित रह रहे थे अब स्थितियां ठीक हैं स्कूलें खुल गई हैं ऐसे में बच्चों का स्कूलों में दाखिला करना जरूरी हैं ताकि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके। डॉ सोनी कहते हैं शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जो जीवन में परिवर्तन ला कर सफल इंसान बनाती हैं। सरकार ने गांव गांव में स्कूलें बनाई है उन में बच्चों की पढ़ने की सुविधाएं दी है ताकि हर बच्चा पढ़ सके और शिक्षित समाज को बना सके। आज हमने एक अप्रैल से सुरु होने जा रहे नये शिक्षा सत्र में प्रवेश के लिए घर घर की हैं यही पुकार, पढ़ा लिखा हो हर घर परिवार, एक अप्रैल का यही संदेश, हर बच्चे का लें प्रवेश नारे लगाकर विशाल जन जागरूकता रैली निकाल कर जन जन से छोटे बच्चों के सरकारी स्कूलों में प्रवेश कराने की अपील की।

प्रधानाध्यापक नारायण प्रसाद सुयाल ने अपील करते हुए कहा एक बच्चा शिक्षित होता हैं तो पूरा परिवार शिक्षित होता है इसलिए हमें शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़कर सभ्य समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए वही नेहरु युवा केन्द्र ब्लाक समन्वयक अनिल हटवाल ने गांव के हर परिवार से अपने बच्चों को शिक्षा से जुड़ने के लिए स्कूलों में प्रवेश करने की अपील की। कार्यक्रम में अमरदीप श्रीवास्तव, ज्योति, सोनी, कल्पना, कुसुम, दीक्षा, सोनिका, बबली डोभाल (स.स), सोबनी देवी, शौकिना देवी, मोहित, राहुल, सागर, धर्मेंद्र, सुमित, मोहन, आयुस, ऋषभ आदि शामिल थे।

अवैध ठेलियां, फडियां व अवैध पार्किंग को लेकर नगर आयुक्त को ज्ञापन दिया

संवाददाता

देहरादून। दून वैली महानगर उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष पंकज मैसोन के दिशा निर्देश अनुसार महामंत्री पंकज दीदान के नेतृत्व में नगर निगम के नगर आयुक्त को राजीव गांधी कॉम्प्लेक्स के बाहर हो रहे अवैध ठेलियां, फडियां वा अवैध पार्किंग से परेशान हो रहे राजीव गांधी कॉम्प्लेक्स के व्यापारियों के साथ एक ज्ञापन सौंपा।

जिस पर नगर आयुक्त द्वारा नगर निगम से अधिकारी को तुरंत मौके पर जाकर निरीक्षण करने के आदेश दिए और समस्याओं का निदान करने को कहा।

इस अवसर पर दून वैली महानगर उद्योग व्यापार मंडल के महामंत्री पंकज दीदान, युवा अध्यक्ष मनन आनंद, युवा सचिव दिव्य सेठी, (सदस्य नदीम सरवार, मनीष कुलेथा, धीरज विग, अक्षय कांबोज, महेश कुलेथा, शेखर कपूर, जितेंद्र सिंह, मुजब अहमद, भवानी प्रसाद, अमन गंगा, सचिन कुमार, करन वर्मा, लाइका अहमद) अन्य कई व्यापारी गण मौजूद रहे।

भारत-जापान सार्थक संवाद

वेद प्रताप वैदिक

जापान के नए प्रधानमंत्री फ्यूमियों किशिदा ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना, यह अपने आप में महत्वपूर्ण है। भारत और जापान के बीच कुछ दिन पहले चौगुटे (क्वाड) की बैठक में ही संवाद हो चुका था लेकिन इस द्विपक्षीय भेंट का महत्व इसलिए भी था कि यूक्रेन-रूस युद्ध अभी तक चला हुआ है। दुनिया यह देख रही थी कि जो जापान दिल खोलकर भारत में पैसा बहा रहा है, कहीं वह यूक्रेन के सवाल पर भारत को फिसलाने की कोशिश तो नहीं करेगा लेकिन भारत सरकार को हमें दाद देनी होगी कि मोदी-किशिदा वार्ता और संयुक्त बयान में वह अपनी टेक पर अड़ी रही और अपनी तटस्थता की नीति पर टस से मस नहीं हुई।

यह ठीक है कि जापानी प्रधानमंत्री ने अगले पांच साल में भारत में 42 बिलियन डॉलर की पूंजी लगाने की घोषणा की और छह मुद्दों पर समझौते भी किए लेकिन वे भारत को रूस के विरुद्ध बोलने के लिए मजबूर नहीं कर सके। भारत ने राष्ट्रों की सुरक्षा और संप्रभुता को बनाए रखने पर जोर जरुर दिया और यूक्रेन में युद्धबंदी की मांग भी की लेकिन उसने अमेरिका के सुर में सुर मिलाते हुए जबानी जमा-खर्च नहीं किया। अमेरिका और उसके साथी राष्ट्रों ने पहले तो यूक्रेन को पानी पर चढ़ा दिया। उसे नाटो में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया और रूस ने जब हमला किया तो सब दुम दबाकर बैठ गए। यूक्रेन को मिट्टी में मिलाया जा रहा है लेकिन पश्चिमी राष्ट्रों की हिम्मत नहीं कि वे रूस पर कोई लगाम कस सकें। किशिदा ने मोदी के साथ बातचीत में और बाद में पत्रकारों से बात करते हुए रूस की काफी भर्त्सना की लेकिन मोदी ने कोरोना महामारी की वापसी की आशंकाओं और विश्व राजनीति में आ रहे बुनियादी परिवर्तनों की तरफ ज्यादा जोर दिया। जापानी प्रधानमंत्री ने चीन की विस्तारवादी नीति की आलोचना भी की। उन्होंने दक्षिण चीनी समुद्र का मुद्दा तो उठाया लेकिन उन्होंने गलवान घाटी की भारत-चीन मुठभेड़ का जिक्र तक नहीं किया। भारत सरकार अपने राष्ट्रहितों की परवाह करे या दुनिया भर के मुद्दों पर फिजूल की चौधराहट करती फिरे ? चीनी विदेश मंत्री वांग यी भी भारत आ रहे हैं। चीन और भारत, दोनों की नीतियां यूक्रेन के बारे में लगभग एक-जैसी हैं। भारत कोई अतिवादी रवैया अपनाकर अपना नुकसान क्यों करें? भारत-जापान द्विपक्षीय सहयोग के मामले में दोनों पक्षों का रवैया रचनात्मक रहा।

इतनी जल्दबाजी क्या थी ?

अपेक्षा यह रहती है कि किसी भी क्षेत्र में बुनियादी बदलाव लाने वाला फैसला लेने के पहले सभी स्टेकहोल्डर्स को भरोसे में लिया जाए। लेकिन ऐसा नहीं किया गया है। फैसले को लागू करने में जल्दबाजी बरती गई है। इससे भ्रम का माहौल बना है। स्कूलों में इस कदम को लेकर चिंता उत्पन्न हो गई है।

हालांकि यह फैसला विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का है, लेकिन जाहिरा तौर पर यह सरकारी नीति का परिणाम है। फैसला उसी चौंकाने वाले अंदाज में लिया गया है, जैसा वर्तमान सरकार की शैली रही है। नतीजा यह है कि हजारों छात्र पशोपेस में हैँ। ऐसे कई छात्रों का अनुभव मीडिया में आया है, जिनके मुताबिक वे इस बारे में आए नोटिफिकेशन देख कर चौंक गए। नोटिफिकेशन के मुताबिक यूजीसी ने फैसला लिया है कि देश के सभी 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अंडरग्रैजुएट दाखिले 12वीं की परीक्षा के अंकों के आधार पर नहीं होंगे। इसकी जगह विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) आयोजित की जाएगी। दाखिला सिर्फ इस परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर होगा। अभी तक अंडरग्रैजुएट कोर्सों में दाखिले का मूल आधार 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के अंक हुआ करते थे। हर साल इन अंकों के आधार पर कॉलेज अपनी अपनी कट ऑफ निर्धारित किया करते थे। अगर कोई कॉलेज इसके बाद आवेदकों में से चुनने के लिए कोई प्रवेश प्ररीक्षा भी आयोजित करना चाहे तो उसे ऐसा करने की छूट थी। लेकिन यह अनिवार्य नहीं था। नई प्रक्रिया के तहत 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की अहमियत को खत्म कर दिया गया है। 12वीं के अंकों को अंडरग्रैजुएट दाखिलों का आधार बनाने को खत्म करना देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव है। मुमकिन है कि इससे छात्रों को ऊंचे कटऑफ से मुक्ति मिले। लेकिन अपेक्षा यह रहती है कि ऐसा फैसला लेने के पहले सभी स्टेकहोल्डर्स को भरोसे में लिया जाए। ऐसा नहीं किया गया है। फैसले को लागू करने में जल्दबाजी बरती गई है। इससे भ्रम का माहौल बना है। स्कूलों में इस कदम को लेकर चिंता उत्पन्न हो गई है। कई स्कूलों के प्रधानाचार्यो ने शंका व्यक्त की है कि कहीं इस कदम से छात्रों और अभिभावकों में 12वीं की पढ़ाई के प्रति उदासीनता ही ना जन्म ले ले। इस चिंता को निराधार नहीं कहा जा सकता। ये बात ठीक है कि यह कदम नई शिक्षा नीति का हिस्सा है। यह पिछले साल ही लागू हो जाने वाला था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण नहीं हो पाया। लेकिन यही असल सवाल है। कोविड-19 के दौरान पिछले दो सालों में पूरी शिक्षा व्यवस्था उथल पुथल हो गई है। ऐसे में नई व्यवस्था के लिए उचित विचार-विमर्श नहीं हो पाया है। बेहतर होता कि ऐसा करने के बाद ही ये सिस्टम लागू किया जाता। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गर्मी में शरीर के लिए सबसे फायदेमंद फल है खरबूजा

गर्मियों का मौसम शुरू हो चुका है। जी हाँ और इस मौसम में कई तरह के फल बाजार में मिलते हैं और वह सभी शरीर के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। हालाँकि गर्मियों के मौसम में खरबूजा अधिक मात्रा में मिलता है। ऐसे में हर व्यक्ति खरबूजा खाना पसंद करता है। आपको बता दें कि खरबूजे में 95ऋ पानी के साथ कैल्शियम, आयरन, विटामिन ए और विटामिन सी भी अधिक मात्रा में पाया जाता है। जी हाँ और इसके सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है, और साथ ही ह्रदय में जलन की परेशानी भी दूर होती है। इसके अलावा भी इसको खाने के कई फायदे हैं जिनके बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं।

वजन कम करने में- खरबूजा एंटीऑक्सीडेंट का स्त्रोत है और जिन फलों में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, वे मोटापा (ओबेसिटी) को कम करने का काम कर सकते हैं। इसके अलावा खरबूजे में डाइटरी फाइबर भी पाया जाता है जो मोटापा कम करने में मदद करता है।

कैंसर रोकने के लिए- खरबूजे में बड़ी मात्रा में आर्गेनिक पिगमेंट केरोटेन्वाइड पाया जाता है, जो कैंसर से बचाने के साथ ही लंग कैंसर की संभावना को भी कम करता है।

आंखों के लिए- खरबूजे में विटामिन-ए और बीटा कैरोटीन मिलता है, जो आंखों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इससे आंखों की रोशनी तेज हो सकती है।

मधुमेह- खरबूजे में ऑक्सीकाइन पाया जाता है, जो रक्त में शुगर के स्तर को संतुलित करने में सहायक हो सकता है। जी हाँ और यह ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस को भी दूर रखने का काम कर सकता है।

फेफड़े स्वस्थ- खरबूजा बीटा-कैरोटीन से समृद्ध होता है। यह लंग्स कैंसर पर प्रभावी असर दिखा सकता है। इसी के साथ इसके छिलके व गूदा में मौजूद बीटा-कैरोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को ऑक्सीजन-मुक्त कणों से बचाते हैं और इसी वजह से फेफड़े से संबंधित कैंसर से सुरक्षा मिलती है।

गर्भवती महिलाओं के लिए - गर्भवती महिलाओं के लिए खरबूजे का सेवन फायदेमंद साबित होता है।

दांत दर्द- खरबूजे में विटामिन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं और विटामिन दांत दर्द से छुटकारा दिलवाता है।

राजकुमार राव ने नेटफ्लिक्स की अपनी पहली वेब सीरीज गन्स एंड गुलाब्स से शेयर की पहली झलक

राजकुमार राव अपनी बेहतरी परफॉरमेंस से दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाने में कामयाब हो गएं है। आने वाले समय में वे कई फिल्मों में नजर आने वाले है। इसी बीच कल उनकी एक नई वेब सीरीज का ऐलान किया गया है जो कि नेटफ्लिक्स के साथ उनकी पहली सीरीज होने वाली है।

इस सीरीज का नाम गन्स एंड गुलाब्स है, जिससे अभिनेता का फर्स्ट लुक भी रिवील कर दिया गया है। इस सीरीज में राजकुमार राव ९० दशक के लुक में नजर आएंगे।

राजकुमार ने सीरीज का ऐलान करते हुए और अपने फर्स्ट लुक को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जारी करते हुए लिखा, मेरी पहली नेटफ्लिक्स सीरीज 'गन्स और गुलाब्स' के फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए बेहद रोमांचित हूं। तैयार हो जाइए क्योंकि मैं ९० के दशक के अवतार में नजर आऊंगा। क्राइम, लव और धमाकेदार पंचलाइन से भरपूर एक रोमांचक साहसिक सीरीज के लिए, तैयार रहिए। राज एंड डीके की ये सीरीज जल्द आ रही है।

राजकुमार के फर्स्ट लुक की बात करें तो इसमें वे लंबे बालों में क्रीम कलर की शर्ट और नेवी ब्लू कलर की जैकेट पहने हाथ में कैंपा की बॉटल लिए नजर आ रहे हैं। राजकुमार के इस लुक की जमकर प्रशंसा की जा रहीं हैं।

वहीं दर्शकों को भी अब इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि सीरीज को राज और डीके डायरेक्ट कर रहे हैं। मालूम हो कि राजकुमार राव और डायरेक्टर राज और डीके दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों 'स्त्री' में साथ काम कर चुके हैं, जिसे बॉक्स ऑफिस पर बहुत ही धमाकेदार प्रतिक्रिया मिली थी।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -81

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीर्नींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुस्बात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

1		2	■	■	■	3		
	■		■	4	5		■	■
6	7		8	■		■	■	9
■	10			■	11	12	13	
■	14		■	15				
16		■	■		■	■		■
17			18		■	19		■
	■	■		■	20	■	■	21
22				■	23			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 80 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

जाट नेता के रोल में छा गए अभिषेक

अभिनेता अभिषेक बच्चन फिल्म दसवीं को लेकर दर्शकों की जुबां पर हैं। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 7 अप्रैल को आएगी। इसे जिओ सिनेमा पर भी प्रसारित किया जाएगा। काफी समय से फैंस इस फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे। मेकर्स ने आज फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। इसमें अभिषेक का स्वैग देखते ही बन रहा है। एक जाट नेता के रूप में उनकी भूमिका काफी मजबूत लग रही है। अभिषेक ने अपने ट्विटर हैंडल पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, पब्लिक की डिमांड पर और भारी-भरकम वोटों से प्रस्तुत करता हूं दसवीं का ट्रेलर। फिल्म में यामी गौतम और निम्रत कौर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसका निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है। फिल्म के पोस्टर को भी शानदार प्रतिक्रिया मिली थी और अभिषेक का लुक काफी दमदार लगा था। ट्रेलर में भी अभिनेता का अंदाज लोगों को पसंद आ रहा है।

अभिषेक आठवीं पास जाट नेता गंगा राम चौधरी के किरदार में दिखे हैं। ट्रेलर की शुरुआत मुख्यमंत्री गंगा राम (अभिषेक) को भ्रष्टाचार के मामले में न्यायिक हिरासत में भेजा जाता है। सलाखों के पीछे भी अभिषेक की हनक चलती है। आईपीएस अधिकारी ज्योति देसवाल (यामी) उनपर लगाम कसने की कोशिश करती हैं। फिर अभिषेक जेल से ही दसवीं पास करने की तैयारी में जुट जाते हैं। यहीं से उनका संघर्ष शुरू होता है और उनकी जिंदगी बदलती हुई दिखती है।

अब पूरी कहानी किस करवट लेगी, ये तो फिल्म देखने के बाद पता चलेगा। इसमें कोई दोराय नहीं है कि अभिषेक अपने किरदार के साथ न्याय करते दिखे हैं। यामी और निम्रत ने भी अपनी उपस्थिति का एहसास कराया है।

फिल्म हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला से प्रेरित लगती है। ट्रेलर में अभिषेक एक ऐसे मुख्यमंत्री के किरदार में दिखे, जिन्हें टीचर भर्ती घोटाले में जेल जाना पड़ता है। मालूम हो कि चौटाला भी टीचर भर्ती घोटाले में फंसे थे। उन्होंने भी जेल की सजा काटते हुए 82 साल की उम्र में दसवीं की परीक्षा पास की थी। जिस प्रकार अभिषेक हरी पगड़ी में नजर आए, चौटाला की पहचान भी उनकी हरी पगड़ी से थी। लूडो, द बिग बुल, बॉब बिस्वास के बाद दसवीं अभिषेक की चौथी ओटीटी रिलीज होगी। रितेश शाह, सुरेश नायर और संदीप लेजल ने फिल्म की पटकथा लिखी है। लेजल, मैडॉक फिल्म्स और शोभना यादव ने इस प्रोजेक्ट का निर्माण किया है। इस फिल्म में अभिषेक पहली बार यामी और निम्रत के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करते हुए नजर आएंगे। बता दें कि यह तुषार के निर्देशन की पहली फिल्म है। (आरएनएस)

सलमान इसी साल फैंस को देंगे कभी ईद कभी दिवाली का तोहफा, रिलीज डेट जारी

सलमान खान पिछले काफी समय से फिल्म कभी ईद कभी दिवाली को लेकर सुर्खियों में हैं। आए दिन उनकी इस फिल्म से जुड़ी नई-नई जानकारी सामने आ रही है। फिल्म की घोषणा जब से हुई है, तभी से दर्शक इसमें सलमान का अवतार देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। आइए जानते हैं पर्दे पर कब आएगी कभी ईद कभी दिवाली।

सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दिवाली अगले साल ईद पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन अब सलमान जल्द ही अपने प्रशंसकों को इस फिल्म का तोहफा देने वाले हैं। उनकी इस फिल्म के लिए अब दर्शकों को अगले साल तक का इंतजार नहीं करना पड़ेगा, बल्कि यह इसी साल के अंत में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने सोशल मीडिया पर घोषणा कर दी है कि फिल्म 3० दिसंबर, 2०22 को रिलीज होगी।

यूं तो सलमान ईद पर अपनी फिल्म के रूप में फैंस को ईदी देते हैं। फैंस भी खुशी-खुशी उनकी ईदी को स्वीकार करते हैं, लेकिन इस बार वह ईद पर नहीं, बल्कि नए साल के आसपास प्रशंसकों के बीच हाजिर होने वाले हैं। नाडियाडवाला के प्रोडक्शन हाउस ने ट्वीट किया, कभी ईद, कभी दिवाली का जश्न नए साल पर सलमान खान और साजिद नडियाडवाला के साथ। प्रोडक्शन हाउस ने साजिद-सलमान की एक तस्वीर पोस्ट कर यह जानकारी दी है।

2००9 में ईद पर सलमान की पहली फिल्म वॉन्टेड रिलीज हुई थी। उसके बाद से सिर्फ 2०13 को छोड़कर हर साल ईद पर उनकी एक नई फिल्म आई। दबंग, बॉडीगार्ड, एक था टाइगर, किक, बजरंगी भाईजान, सुल्तान और भारत इसी फेहरिस्त में शामिल हैं।

कभी ईद कभी दिवाली का विषय सलमान और साजिद के दिल के काफी करीब है। कहानी खुद साजिद की है। वह सलमान के साथ कॉमेडी, ड्रामा, इमोशन, एक्शन और सोशल मैसेज को फिल्म की कहानी के जरिए दर्शकों के सामने लाने के लिए उत्साहित हैं। कोरोना महामारी के चलते फिल्म की शूटिंग में देरी हुई थी और अब फिर इस पर काम शुरू हो गया है। इसमें पूजा हेगड़े, सलमान की जोड़ीदार बनी हैं। फरहाद सामजी फिल्म के निर्देशक हैं।

सलमान सुपरहिट तमिल फिल्म मास्टर के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। टाइगर 3 में भी वह अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। फिल्म में उनकी जोड़ी कैटरीना कैफ के साथ ही बनी है और इसमें सलमान एक बार फिर धमाकेदार एक्शन करते दिखेंगे। वह शाहरुख खान की फिल्म पठान का भी हिस्सा हैं। हालांकि, इसमें उनकी मेहमान भूमिका है। सलमान दबंग 4 में भी नजर आएंगे। इसके अलावा वह बजरंगी भाईजान के सीक्वल पवनपुत्र भाईजान में भी काम कर रहे हैं। (आरएनएस)

कृष 4 के लिए तैयार ऋतिक और राकेश रोशन

ऋतिक रोशन ने अपने एक्टिंग करियर में कई बड़ी फिल्मों में काम किया है। कृष सीरीज ने उन्हें देशभर में एक सुपरहीरो के रूप में पहचान दिलाई है। इस फ्रेंचाइजी की पिछली तीनों फिल्में सुपरहिट रही हैं और अब चौथे पार्ट को लेकर भी दर्शकों के बीच गजब की उत्सुकता है। फिल्म से जुड़ी नई जानकारी के मुताबिक, ऋतिक और उनके पिता राकेश रोशन अगले पार्ट की शूटिंग के लिए तैयार हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, कृष 4 की तैयारियां और फिल्म की कास्टिंग इसी साल जून में शुरू कर दी जाएंगी। हालांकि, राकेश रोशन ने अभी यह तय नहीं किया है कि फीमेल लीड के लिए किस एक्ट्रेस को लिया गया है। जल्द ही निर्माता-निर्देशक हीरोइन का नाम भी फाइनल करेंगे। ऋतिक सबसे पहले फिल्म विक्रम वेधा का शूट पूरा करेंगे। इसके बाद उन्हें 1०० दिन लगातार फिल्म फाइटर की शूटिंग करनी है। फिर वह कृष 4 का काम शुरू करेंगे।

इससे पहले राकेश रोशन ने कहा था कि कृष 4 एक बहुत बड़ी फिल्म होगी। इसे तभी बनाया और रिलीज किया जाएगा, जब कोरोना वायरस पूरी तरह से दुनिया से चला जाएगा। इस सुपरहीरो फिल्म में बड़े एक्शन और स्पेशल इफेक्ट वाले सीन होंगे, जिनके लिए काफी तैयारी भी करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा था, मुझे कोरोना महामारी के खत्म होने का इंतजार है। इसके बाद कृष 4 की शूटिंग शुरू होगी, क्योंकि मैं इसकी शूटिंग आधी-अधूरी नहीं छोड़ना चाहता।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी राकेश रोशन भले ही एक्टिंग में ज्यादा सफल नहीं हुए, लेकिन उन्होंने अपनी फिल्मों से दर्शकों को जरूर आकर्षित किया। फिल्म खुदगर्ज के साथ उन्होंने निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा था। उन्होंने किशन कन्हैया और करण-अर्जुन जैसी फिल्में भी बनाईं।

कई लोगों के मन में यह सवाल हो सकता है कि कृष की शुरुआत हुई कहां से? 2००3 में राकेश रोशन के निर्देशन में साइंस फिक्शन फिल्म कोई.... मिल गया रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉलीवुड को एक नया सुपरहीरो दिया। कोई मिल गया के बाद पैदा हुआ कृष, जिसका कमाल हमें फिल्म कृष में देखने को मिला। राकेश रोशन ने कृष 3 के लिए लंबा इंतजार करवाया। 2००6 में कृष की सफलता के बाद कृष 3 2०13 में आई।

ऋतिक निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की एक्शन फिल्म फाइटर में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के साथ काम कर रहे हैं। ऋतिक साउथ की फिल्म विक्रम वेधा के हिंदी रीमेक में काम कर रहे हैं। इसमें उनके साथ सैफ अली खान नजर आएंगे।

यह इसी नाम से बनी सुपरहिट तमिल फिल्म का हिंदी रीमेक है। ऋतिक अपनी सुपरहिट फिल्म वॉर के सीक्वल वॉर 2 में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

इंग्लैंड में शुरू हुई रितेश और जेनेलिया की फिल्म मिस्टर मम्मी की शूटिंग

रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा लगभग 1० साल बाद एकसाथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले है। दोनों ने इस साल की शुरुआत यानी की फरवरी महीने में अपनी अपकमिंग कॉमेडी फिल्म का ऐलान किया था, जिसका नाम मिस्टर मम्मी है।

रितेश और जेनेलिया ने अनाउंसमेंट के साथ ही फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर भी रिवील कर दिया था जो देखने में बहुत ही मजेदार था। फिल्म के पोस्टर में दोनों प्रेग्नेंट नजर आ रहे थे। बता दें कि आज से इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी गई है जो कि इंग्लैंड में की जा रहीं हैं। टी-सीरीज के ऑफीशियल सोशल मीडिया हैंडल पर शूटिंग शुरू होने की जानकारी देते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की गई है जिसमें रितेश और जेनेलिया के साथ फिल्म के डायरेक्टर शाद अली क्लैपबोर्ड पकड़े नजर आ रहें हैं। टी-सीरीज के सोशल मीडिया हैंडल पर इन तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा गया है, और जर्नी की शुरुआत हुई! ष्मिस्टरमम्मी की शूटिंग आज से इंग्लैंड में शुरू हुई। यह फिल्म दर्शकों को एक रोलर कोस्टर की सवारी पर ले जाने वाली है। शाद अली के डायरेक्शन में बनने जा रहीं इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, शाद अली और शिव अनंत प्रोड्यूस करने वाले है। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभी मेकर्स ने कुछ ऐलान नहीं किया है।

महेश बाबू की बेटी सितारा ने रखा फिल्मी दुनिया में कदम

साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू ने भले ही अभी तक बॉलीवुड में आगाज ना किया हो, लेकिन हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच भी उनकी दीवानगी कम नहीं है। अब ना सिर्फ महेश बाबू, बल्कि उनकी बेटी सितारा भी पापा की राह पर चल पड़ी हैं। उन्होंने बड़े पर्दे पर आगाज कर लिया है, वो भी अपने पिता की फिल्म से। सितारा, महेश बाबू की फिल्म सरकारु वारी पाटा में दिखाई देंगी।

फिल्म सरकारु वारी पाटा महेश बाबू के लिए काफी खास है , क्योंकि इस फिल्म के जरिए उनकी बेटी सितारा फिल्मी जगत में कदम रख रही हैं। सितारा पर फिल्माया गया इस फिल्म का गाना पेनी रिलीज हो गया है। इसमें अपनी बेटी का अंदाज देख महेश बाबू काफी खुश हुए हैं। सितारा एक रॉकस्टार की तरह डांस करती दिख रही हैं। उनकी अदाएं कमाल की हैं और उन्हें देख कोई नहीं कह सकता कि यह उनकी पहली फिल्म है।

1० साल की सितारा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना गाना शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा, पेनी रिलीज हो चुका है। इस फिल्माने में बहुत मजा आया। उम्मीद है आपको यह पसंद आएगा। इससे पहले सितारा ने प्रोमो रिलीज के बाद एक मैसेज पापा के लिए लिखा था, उम्मीद करती हूं कि आपको मुझ पर गर्व होगा। दूसरी तरफ नम्रता शिरोडकर ने भी अपनी बेटी को लिटिल रॉक स्टार बताया है।

सरकारु वारी पाटा में महेश बाबू के साथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश दिखाई देंगी। इसका निर्देशन परशुराम ने किया है। फिल्म 12 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि, पहले यह फिल्म इस साल 13 जनवरी को दर्शकों के बीच आने वाली थी, लेकिन कोरोना महामारी और प्रोडक्शन के काम में हुई देरी के कारण इसकी रिलीज टाल दी गई। महेश बाबू की फिल्मों का इंतजार दर्शकों को बेसब्री से रहता है। उनकी कई फिल्मों के हिंदी रीमेक बन चुके हैं।

महेश बाबू और अभिनेत्री नम्रता शिरोडकर की बेटी सितारा का जन्म 2० जुलाई, 2०12 को हुआ था। नम्रता की महेश से 2००० में आई तेलुगु फिल्म वामसी के सेट पर मुलाकात हुई थी। पहली मुलाकात के बाद ही दोनों काफी अच्छे दोस्त बन गए और फिल्म की शूटिंग खत्म होने तक महेश-नम्रता एक-दूसरे को दिल दे बैठे। 1० फरवरी, 2००5 को दोनों ने शादी कर ली थी। महेश और नम्रता का एक बेटा भी है, जिसका नाम गौतम कृष्णा है।

नम्रता शिरोडकर हिंदी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री रही हैं। उन्होंने सलमान खान के साथ फिल्म जब प्यार किसी से होता है के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। नम्रता ने 1993 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब भी जीता था।

ममता का यह कैसा मॉडल!

अजीत द्विवेदी

बीरभूम जिले से रामपुरहाट में दो बच्चों सहित 1० लोगों को जिंदा जलाने की घटना ममता राज की प्रतिनिधि घटना की तरह आज देश के सामने है। तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता भादू शेख की हत्या का बदला लेने के लिए इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। लोगों को घरों में बंद कर आग लगा दी गई। यह भयावह घटना है। बीरभूम के रामपुरहाट में हुई हिंसा उसी यथास्थितिवादी राजनीति की अंत परिणति है। बच्चों सहित 1० बेकसूर लोगों को जिंदा जला देने की यह घटना ममता की अखिल भारतीय महात्वाकांक्षा की भ्रूण हत्या साबित हो सकती है।

इन दिनों भारत की राजनीति में सफल होने के लिए गवर्नेंस का एक मॉडल पेश करने का चलन शुरू हो गया है। हालांकि ऐसा नहीं है कि विचारधारात्मक राजनीति खत्म हो गई, बल्कि विचारधारा पहले से ज्यादा अहम हो गई है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत इसका नमूना है। यह अलग बात है कि भाजपा के नेता खुल कर यह बात मानेंगे नहीं कि हिंदुत्व की विचारधारा और हिंदू कंसोलिडेशन से पार्टी जीती है। वे बुलडोजर और कानून-व्यवस्था की बात कर रहे हैं लेकिन ये दोनों चीजें भी हिंदुत्व की राजनीति के प्रतीक के तौर पर चुनाव में इस्तेमाल की गईं। इसी विचारधारा की राजनीति अरविंद केजरीवाल भी कर रहे हैं। इसके बावजूद भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों गवर्नेंस का एक मॉडल भी लोगों के सामने पेश करते हैं।

नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर 2०13 में जब आम चुनाव में उतरे तब उन्होंने गुजरॉत मॉडल पेश किया। पूरे देश में गुजरात गाथा सुनाई गई और बताया गया कि कैसे बतौर मुख्यमंत्री मोदी ने गुजरात का कायाकल्प कर दिया। उसकी हकीकत लोग बाद में जाने तब तक कहानी आगे बढ़ चुकी थी और अब मोदी मॉडल पूरे देश में चल रहा है। इसको चुनौती देने के लिए केजरीवाल ने दिल्ली मॉडल पेश किया है। पंजाब में यह मॉडल दिखा कर उन्होंने चुनाव जीत लिया और अब गुजरात, हिमाचल प्रदेश में इसके प्रदर्शन की तैयारी है। यह मॉडल मुफ्त सेवाएं और नकद पैसे देने का है। उधर मणिपुर के चुनाव में जदयू को छह सीटें मिलीं तो उसके नेताओं ने कहा कि न्याय के साथ विकास का नीतीश कुमार का बिहार मॉडल मणिपुर में चला है।

तभी सवाल है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कौन सा मॉडल लोगों के सामने पेश करेंगी? उनकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा हिलोरें मार रही हैं और वे दिल्ली, मुंबई की दौड़ लगा रही हैं। वे पश्चिम बंगाल में लगातार तीसरी बार चुनाव जीती हैं। जब तक लोकसभा का अगला चुनाव आएगा तब तक राज्य की सरकार में उनके 13 साल पूरे हो जाएंगे। सो, 13 साल सरकार चलाने के बाद वे राष्ट्रीय स्तर पर कौन सा मॉडल पेश करेंगी, जिससे बंगाल से बाहर के लोग उनकी ओर आकर्षित होंगे? बंगाल के लोग तो आकर्षित हो सकते हैं। क्योंकि ममता और उनके चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर बांग्ला अस्मिता का दांव खेलेंगे और लोगों के सामने पहले बंगाली प्रधानमंत्री की चमकदार उम्मीद पेश करेंगे। लेकिन यह दांव बंगाल से बाहर नहीं चलेगा। तभी सवाल है कि वे अपने शासन की किस खूबी को देश के लोगों के सामने पेश करेंगी?

यह सवाल सिर्फ इसलिए नहीं उठ रहा है कि ममता बनर्जी अगले चुनाव में विपक्ष का चेहरा बनने की कोशिश कर रही हैं, बल्कि इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि राज्य में राजनीतिक हिंसा का बेहद विद्रूप चेहरा देश के सामने आ रहा है। बीरभूम जिले से रामपुरहाट में दो बच्चों सहित 1० लोगों को जिंदा जलाने की घटना ममता राज की प्रतिनिधि घटना की तरह आज देश के सामने है। तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता भादू शेख की हत्या का बदला लेने के लिए इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। लोगों को घरों में बंद कर आग लगा दी गई। यह भयावह घटना है। कानून के शासन वाले किसी राज्य में ऐसी घटना की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। ध्यान हटाने के लिए या नया नैरेटिव सेट करने के लिए भले यह बताया जाए कि मरने वाले सभी लोग मुस्लिम हैं या आपसी रंजिश की वजह से ऐसा हुआ या भाजपा जिम्मेदार है, लेकिन नंगी सचाई लोगों के सामने है। यह घटना इस बात का संकेत है बंगाल में कानून का राज नहीं है या लोगों के मन में कानून के शासन के प्रति कोई सम्मान नहीं है। सरकारों की पहली जिम्मेदारी कानून का शासन स्थापित करने की होती है, जिसमें ममता सरकार विफल दिख रही है।

ऐसा नहीं है कि दूसरे राज्यों में इस तरह की घटनाएं नहीं होती हैं या चुनावी रंजिश नहीं होती है या कानून व्यवस्था की समस्या नहीं होती है लेकिन किसी राज्य में राजनीतिक हिंसा की संस्कृति को सांस्थायिक रूप से स्थापित नहीं किया जाता है। पश्चिम बंगाल में हिंसा वहां की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन गई है। हर चुनाव से पहले और बाद में हिंसा होती है और बेकसूर लोग मारे जाते हैं। यह एक बड़ा मानवीय और सामाजिक संकट है लेकिन उससे ज्यादा लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। कहां तो ममता बनर्जी लोकतंत्र की रक्षक बन कर देश में घूम रही हैं और कहां उनके राज में बंदूक की नली से लोकतंत्र के संचालित होने की धारणा बन रही है। वे कहती हैं कि भाजपा की केंद्र सरकार लोकतंत्र खत्म कर रही है और वे इसे बचाएंगी लेकिन उनके राज में तो खुद ही लोकतंत्र संकट में दिख रहा है।

यह सही है कि बंगाल में राजनीतिक हिंसा का पुराना इतिहास रहा है। पहले सीपीएम और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प होती थी। बाद में सीपीएम और तृणमूल के बीच हिंसा शुरू हुई और अब तृणमूल व भाजपा के बीच हिंसक लड़ाई चल रही है। ममता ने राजनीतिक हिंसा की संस्कृति को बदलने के लिए कुछ नहीं किया उलटे उसे सत्ता का संरक्षण देकर सांस्थायिक बनाए रखा। पिछले साल दो मई को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद एक हफ्ते के भीतर दर्जनों जगह हमले हुए और कम से कम 1० लोगों के मारे जाने की खबर आई। उससे पहले पंचायत चुनावों में या खनन के ठेके-पट्टे को लेकर दर्जनों लड़ाइयों और हत्याओं की खबरे आती रही हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो, एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 1999 से लेकर 2०16 तक हर साल औसतन 2० राजनीतिक हत्याएं हुईं। तभी यह अनायास नहीं है कि ममता की सरकार ने 2०19 के बाद से एनसीआरबी को आंकड़े देना ही बंद कर दिया।

बहरहाल, जमीनी संघर्ष से निकलीं एक मध्यवर्गीय महिला के मुख्यमंत्री बनने पर यह उम्मीद बंधी थी कि बंगाल में हिंसा की राजनीतिक संस्कृति बंद होगी। पुरानी कहावत है कि युद्ध में चलने वाली हर गोली किसी न किसी महिला की छाती में लगती है। कैसी भी हिंसा हो उसमें पीड़ा और मुश्किलें महिलाओं और बच्चों को झेलनी होती है। एक महिला के नाते ममता इस बात को समझतीं और राज्य की राजनीतिक संस्कृति को बदलने का प्रयास करती हैं तो वे एक अपना मॉडल तैयार कर सकती थीं। लेकिन ऐसा लग रहा है कि कुछ बदलने की बजाय उन्होंने यथास्थिति को अपनाया। बीरभूम के रामपुरहाट में हुई हिंसा उसी यथास्थितिवादी राजनीति की अंत परिणति है। बच्चों सहित 1० बेकसूर लोगों को जिंदा जला देने की यह घटना ममता की अखिल भारतीय महात्वाकांक्षा की भ्रूण हत्या साबित हो सकती है। देश के लोगों ने उनसे जो उम्मीद बांधी थी वह इस घटना से टूटेगी और इससे उनकी जैसी छवि बन रही वह राष्ट्रीय फलक पर उनके सफल होने की उम्मीदों को धुंधला करेगी।

सू- दोकू क्र. 81

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.80 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

अनुपमा की अदाकारा अनघा अरविंद भोसल ने छोड़ी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री

टीवी जगत के चर्चित सीरियल अनुपमा सीरियल में नंदिनी का किरदार अदा करने वाली अभिनेत्री अनघा अरविंद भोसले ने शो छोड़ते ही टीवी जगत को हमेशा हमेशा के लिए अलविदा कह दिया है। अनघा के इस फैसले के पश्चात् प्रशंसक सदमे में है तथा निरंतर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। इस बीच अनघा अरविंद ने अपने प्रशंसकों के लिए एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है। वही अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अनघा ने लिखा- हरे कृष्णा फैमिली। मुझे पता है कि आप लोग मेरे प्रति दयालु हैं तथा शो छोड़ने के बाद कंसर्न शो कर रहे हैं। आप सभी का इसके लिए शुक्रिया। यदि आप नहीं जानते हैं तो मैं आपको बता दूं कि मैंने आधिकारिक तौर पर फिल्म और टेलीविजन जगत को छोड़ दिया है। अनघा ने पोस्ट में आगे लिखा- मैं आप सभी से ये आशा करती हूं कि आप लोग मेरे इस फैसले का सम्मान एवं समर्थन करेंगे। मैंने ये फैसला धर्म के मार्ग पर चलने के लिए लिया है। मुझे पता है कि आप लोग अपने कर्म को करते रहेंगे। मुझे पता है कि आप लोग उन सब हालातों एवं लोगों से दूर रहेंगे जो भगवान कृष्ण से आपको दूर रखने का प्रयास करेंगे। अनघा का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर रफ्तार से वायरल हो रहा है। इस पोस्ट के बाद प्रशंसक निरंतर कमेंट कर रहे हैं तथा अनघा के इस फैसले का समर्थन भी कर रहे।

मोदी और शी सीधे बात क्यों नहीं करते?

वेद प्रताप वैदिक

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने दो दिन तक विशेष अतिथि रहकर इस्लामाबाद में इस्लामी सहयोग संगठन के सम्मेलन में भाग लिया। अब वे भारत आ रहे हैं और फिर वे श्रीलंका जाएंगे। वे भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर से पहले भी मिल चुके हैं। गलवान घाटी की मुठभेड़ से जन्मे तनाव को दोनों विदेश मंत्रियों की भेंट जरा भी कम नहीं कर पाई। इसी तरह दोनों देशों के सैन्य अफसरों की कई लंबी-लंबी बैठकों से भी कोई हल नहीं निकला। पिछले दो साल में सीमा की इस मुठभेड़ ने दोनों देशों के बीच जैसी बदमजगी पेश की है, वैसे 1962 के बाद कभी-कदाक ही हुई। गंभीर सीमा-विवाद के बावजूद दोनों राष्ट्रों के बीच व्यापार जिस गति से बढ़ता रहा, परस्पर यात्राएं होती रहीं और दोनों देशों के नेताओं के बीच जैसा संवाद चलता रहा, वह सारी दुनिया में चर्चा का विषय बनता रहा। भारत और चीन कई ज्वलंत अंतरराष्ट्रीय प्रश्नों पर समान रवैया अपनाकर परिपक्व नीतियों का उत्तम उदाहरण प्रस्तुत करते रहे हैं लेकिन गलवान घाटी के मुद्दे पर यह तनाव इतना लंबा कैसे खिंच गया?

यह ठीक है कि भारत के 2० सैनिक मारे गए लेकिन समझा जाता है कि चीन के भी कम से कम 5० सैनिक हताहत हुए। जहां तक चीनी सैनिकों द्वारा भारतीय जमीन पर कब्जा करने का सवाल है, स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संदेश में कहा था कि भारत ने चीन को अपनी एक इंच जमीन पर भी कब्जा नहीं करने दिया है। तो फिर झगड़ा किस बात का है? गलतफहमियों और दोनों तरफ के स्थानीय फौजी कमांडरों की भूल से यदि मुठभेड़ हो गई और उसमें अत्यंत दुखद मौतें हो गईं तो दोनों तरफ से अफसोस जाहिर किया जा सकता है और मामले को हल माना जा सकता है। जहां तक सीमाओं के उल्लंघन का सवाल है, दोनों देशों के सैनिक और नागरिक साल में सैकड़ों बार एक-दूसरे की सीमा में घुस जाते हैं। सीमाओं पर न कोई दीवार बनी हुई है और न ही तार लगे हुए हैं। यह मामला तो छोटा है लेकिन इसने काफी गंभीर रुप धारण कर लिया है। दोनों राष्ट्र एक-दूसरे के आगे झुकते हुए नजर नहीं आना चाहते हैं। इसके फलस्वरुप कई कठिनाइयां पैदा हो गई हैं। भारत के लगभग 2० हजार छात्र और नागरिक, जो चीन में कार्यरत थे, वे महामारी के कारण भारत आ गए थे, वे अब लौटना चाहते हैं। कई चीनी कंपनियों का व्यापार ठप्प हो गया है। वे भी भारत लौटना चाहती हैं। भारत की चिंता यह है कि द्विपक्षीय व्यापार में उसका असंतुलन 8० बिलियन डॉलर तक हो गया है। इसके अलावा आजकल पाकिस्तान के साथ चीन की घनिष्ठता भी बढ़ती चली जा रही है। इस समय यूक्रेन-संकट के मामले में भारत और चीन लगभग एक-जैसा रवैया अपनाए हुए हैं। हालांकि चीन ऐसा कोई अवसर अपने हाथ से जाने नहीं देता है कि जिससे वह अमेरिका पर कूटनीतिक हमला बोल सके।

निशुल्क 40 वां नेत्र चिकित्सा शिविर 3 अप्रैल से आरम्भ होगा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। दून सिख वेलफेयर सोसाइटी के तत्ववाधान में ४० वां महान निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर ३ अप्रैल से १० अप्रैल तक श्री गुरु नानक निवास ६० सुभाष रोड पर लगाया जायेगा।

दून सिख वेलफेयर सोसाइटी के संस्थापक अध्यक्ष स. कृपाल सिंह चावला ने बताया कि श्री महंत इन्द्रेश हस्पताल एवं गुरु राम राय मेडिकल कालेज के सहयोग एवं जिला दृष्टिहीनता निवारण समिति के अन्तर्गत लगाया जाएगा। सभी आप्रेशन श्री महंत इन्द्रेश हॉस्पिटल के अनुभवी नेत्र चिकित्सक द्वारा किये जायेगे।

उन्होंने बताया कि सभी आप्रेशन निशुल्क किये जायँगे, आप्रेशन वाले रोगियों को एक दिन वहीं रखा जायेगा एवं भोजन, दवाईयां, चश्मे आदि का सारा प्रबंध संस्था द्वारा किया जायेगा, अगले दिन मरीजों को छुट्टी दे दी जाएगी।

आँखों का चेक अप ३ एवं ४ अप्रैल को होगा जिनको आप्रेशन की जरूरत होंगी उनको एडमिट कर लिया जायेगा। मीटिंग में अध्यक्ष वी के गुप्ता, सचिव जे एस मदान, कोषाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, संयोजक इंदरजीत सिंह आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने की चारधाम यात्रा की..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

से जोड़ा जाए। यात्रा मार्ग से संबंधित सड़कों पर कहीं भी मलबा या कचरा न रहे। कचरा निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा प्रबंधन में टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाए। ट्रेफिक प्रबंधन व संचालन के लिए ड्रोन का भी प्रयोग किया जाए। चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए टोल फ्री नम्बर जारी किया जाए। जिस पर यात्रा से संबंधित हर प्रकार की जानकारी हो। इस नम्बर को व्यापक प्रचारित भी किया जाए। इस वर्ष बहुत बड़ी संख्या में यात्रियों के आने की सम्भावना है। किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए यात्रियों के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था हो। यात्रा मार्गों पर जगह–जगह पर्याप्त संख्या में पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। डायवर्जन और वैकल्पक मार्गों की व्यवस्था भी कर ली जाए। जगह–जगह पर साईन बोर्ड भी लगाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि यात्रा मार्गों पर जाने वाले बसों व टैक्सियों की फिटनेस की जांच सुनिश्चित हो। यात्रा मार्ग पर तैनात किए जाने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि नियमो का पालन कराते हुए यात्रियों व श्रद्धालुओं के साथ विनम्रतापूर्वक व्यवहार हो। एक बार एंट्री पाइन्ट पर वाहनों की चौकिंग होने के बाद बार–बार चौकिंग कर यात्रियों को परेशान न किया जाए। विभिन्न स्थानों पर क्वालिटी पेयजल के लिए वाटर एटीएम/वाटर मशीन लगाई जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकतानुसार चिकित्सकों की तैनाती कर ली जाए। एयर एम्बुलेंस की व्यवस्था भी हो। यात्रा मार्ग पर रेट लिस्ट के निर्धारण के साथ ही मिलावटखोरी को रोकने के लिए नियमित चौकिंग अभियान चलाया जाए। यात्रा शुरू होने से पूर्व श्री बद्रीनाथ, श्री केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री व श्री हेमकुण्ड साहिब में २४ घंटे बिजली आपूर्ति के साथ ही यात्रा मार्गों पर समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए। यात्रा मार्ग पर बेहतर संचार व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा का विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। चार धाम यात्रा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों व अन्य जरूरी सूचनाओं का प्रचार प्रसार हो। चार धामों के साथ ही अन्य धार्मिक स्थलों और पर्यटन स्थलों के बारे में भी जानकारी दी जाए।

बैठक में केबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज, विधायक श्रीमती शैलारानी रावत, श्री सुरेश सिंह चौहान, श्री संजय डोभाल, श्री दुर्गेश लाल, बद्री केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री अजेंद्र अजय, मुख्य सचिव डा. एस.एस.संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, श्री आनंद बर्द्धन, डीजीपी श्री अशोक कुमार, प्रमख सचिव श्री आरके सुधांशु, सचिव श्री दिलीप जावलकर, श्री नितेश झा, डा. पंकज कुमार पाण्डेय, श्री शैलेश बगोली, श्री एस.ए. मुरूगेशन, आयुक्त गढ़वाल श्री सुशील कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित जिलाधिकारी उपस्थित थे।

चोरी के माल सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। दुकान का ताला तोड़ सामान चुराने के मामले का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने दो नेपाली युवकों को गिरफ्तार कर उनके पास से चुराया गया माल बरामद कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती 18 मार्च को विरेन्द्र सिंह नेगी पुत्र हुकम सिंह नेगी द्वारा थाना थराली में तहरीर देकर बताया गया कि उनकी दुकान वीरू फोटो स्टूडियो व मोबाइल कम्यूनिकेशन में देर रात अज्ञात चोरों द्वारा ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। बताया कि चोर दुकान से 4 मोबाइल फोन, 1 टैब व डीवीआर चुरा ले गये है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। जिन्हे कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने आज सुबह

परखाल तिराहे के समीप से गिरफ्तार कर उनके पास से चुराया गया माल भी बरामद कर लिया गया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम नवराज बहादुर पुत्र तेज बहादुर व झलक बहादुर पुत्र तिलक बहादुर निवासी नेपाल बताया। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

स्पोर्ट्स कालेज के समीप शव मिलने से सनसनी, आत्महत्या की आशंका

हमारे संवाददाता

देहरादून। रायपुर स्थित स्पोर्ट्स कालेज के समीप थानों रोड पर आज सुबह एक शव मिलने से सनसनी फैल गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। शव के पास नुआन की बोतल मिलने से उसकी आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह थाना रायपुर पुलिस को सूचना मिली कि स्पोर्ट्स कालेज के समीप एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया। आस पास छानबीन करने पर पुलिस ने एक नुआन की खाली बोतल भी बरामद की है। जिससे उसके आत्महत्या किये जाने की आशंका जताई जा रही है। शव की पहचान नथुआवाला निवासी धीरेन्द्र नयाल के रूप में की गयी है। बहरहाल पुलिस ने मौके पर फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट टीम को बुलाकर जांच शुरू कर दी गयी है।

सरकार के संरक्षण में निजी स्कूल व अस्पताल माफियाः ध्यानी

देहरादून (विशेष संवाददाता)। उत्तराखंड मे निजी स्कूल व निजी हॉस्पिटल को सरकार का पूर्ण संरक्षण मिल रहा हैं। जिसमे आमजन की जेब मे पूरा डाका डालकर लूट रहे हैं। निजी स्कूलों ने बेहताशा शुल्क वृद्धि से अभिभावक परेशान हैं वही प्राइवेट हॉस्पिटल मे इलाज और टेस्टिंग के नाम पर मरीजों को लुटा जा रहा हैं। मीडिया को जारी एक बयान के माध्यम से यह बात आज उक्रांद के केन्द्रीय महामंत्री सुनील ध्यानी द्वारा कही गयी। उन्होने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल समय-समय पर प्राइवेट स्कूलों व हॉस्पिटलों की लूट-खसोट के खिलाफ सरकार को आगाह कर चुका हैं, लेकिन सरकार के कानों मे जूँ तक नहीं रेंगी। इससे स्पष्ट हैं कि सरकार इन प्राइवेट स्कूल माफियाओं और प्राइवेट हॉस्पिटल माफियाँयों को संरक्षण दे रही हैं। उन्होने कहा कि पूर्व मे उत्तराखंड क्रांति दल प्राइवेट हॉस्पिटलों पर अंकुश लगाने के लिए क्लिनिक इस्टबलाईजमेंट बिल को लागू करने कि मांग करता आया हैं। लेकिन प्राइवेट हॉस्पिटल अपनी भेंट सरकार को कर देती हैं और इस बिल को लागू नहीं किया जा रहा हैं। उन्होने कहा कि उक्रांद का स्पष्ट मानना हैं कि उत्तराखंड मे भाजपानीत पूर्व व वर्तमान सरकार भू माफियाओं, खनन, बजरी माफियाओं, प्राइवेट सस्थानों के माफियाओं, शराब माफियाओं व दलालों को संरक्षण देकर राज्य के खजाने को लूटकर अपनी जेबें भर रही हैं।

युवती लापता

देहरादून। युवती के कहीं चले जाने पर परिजनों ने बसंत विहार थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज करा दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्दरा नगर निवासी व्यक्ति ने चौकी इन्दिरा नगर को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया किं 27 मार्च को समय करीब एक बजे दिन में मेरी पुत्री बिना बताये कही चले गयी है कल हम लोग अपनी पुत्री की तलाश आस-पास अपने रिश्तेदारो मे कर रहे थे लेकिन अब तक उसका कुछ पता नहीं चल पाया है।

सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड की धमकी देकर ठगे 76 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। फेसबुक पर बनी महिला मित्र ने अश्लील विडियों सोशल मीडिया पर अपलोड की धमकी देकर 76 हजार रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केदार सिंह चौहान 121 तरुण विहार मोथरोवाला रोड समीप बंगाली कोठी ने साइबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि मुझे फेसबुक पर फ्रेड्स रिक्वेस्ट भेजकर मनीषा राँय नामक लडकी ने मोबाईल नम्बर शेयर करके व्हटसअप पर विडियो चेटिंग हेतु अनुरोध करने लगी। बार बार उसके अनुरोध करने पर मैने वीडियोकाल स्वीकार की तो उसने अपनी ओर से अश्लील क्लिप चला दी, उसके पश्चात फिर बार बार विडियो काल को स्वीकार करने की धमकी दी या नही तो वह फेसबुक पर मेरी विडियो अपलोड कर देगी या पैसे देने की धमकी दी । मैने तुरन्त उसके आने वाले व्हटसअप व फेसबुक को ब्लाक कर दिये । 15 मार्च को विजय प्रकाश सिंह नाम के व्यक्ति जो स्वय को साइबर निरिक्षक बताते हुए यह कहते हुए मुझे काल की किसी मनीषा ने यू टयूबर के पास मेरी अश्लील विडियो बना कर यू टयूब और फेसबुक पर अपलोड करने हेतु दी है। विडियो को अपलोड न करने देने हेतु फीस की मांग की, और तथाकथित साईबर निरीक्षक लगातार विडियो डिलीट करने हेतु दबाव बना रहा था। ऐसा न करने पर मेरे विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने की धमकी देता रहा । दोनो लोगो ने मुझे धमकाते हुए मेरे से 76 हजार रूपये अपने खातों में डलवा लिये। जिसके बाद भी उक्त लोग उसको फोन पर विडियो अपलोड करने की धमकी देकर रूपयों की मांग कर रहे हैं। साइबर थाने के आदेश पर नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

विश्व में करीब दो अरब लोग आज संघर्षरत इलाकों में रह रहे हैं: गुटेरेस

जेनेवा । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बयान दिया है कि विश्व में करीब दो अरब लोग आज संघर्षरत इलाकों में रह रहे हैं और दुनिया १९४५ में द्वितीय विश्व युद्ध खत्म होने के बाद से सबसे अधिक हिंसक संघर्षों का सामना कर रही है। महासचिव गुटेरेस ने यमन, सीरिया, म्यांमार और सूडान से लेकर हैती तक संघर्षों का हवाला दिया तथा कहा, और अब यूक्रेन में युद्ध सीमाओं से बाहर फैल रहा है और इससे अनाज, ईंधन और उर्वरकों के दाम आसमान छू रहे हैं जिससे विकासशील देशों में आपदा आ गयी है।

गुटेरेस ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा आयोग से कहा कि पिछले साल आठ करोड़ ४० लाख लोगों को संघार्ष, हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघनों के कारण अपने घरों से विस्थापित होना पड़ा और इसमें यूक्रेन युद्ध शामिल नहीं है, जिसके कारण पहले ही ४० लाख लोग देश छोड़कर चले गए हैं और ६५ लाख लोग देश में ही विस्थापित हुए हैं। उन्होंने कहा कि, संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि इस साल कम से कम २७.४ करोड़ लोगों को मानवीय सहायता की जरूरत होगी।

10 दिनों में 9 बार हुई पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली । देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गुरुवार को एक बार फिर ८० पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। पिछले १० दिनों में कुल ६.४० रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की तरफ से जारी मूल्य संबंधी अधिसूचना के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत १०१.०१ रुपये प्रति लीटर से बढ़कर अब १०१.८१ रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत ९२.२७ रुपये प्रति लीटर से बढ़कर ९३.०७ रुपये प्रति लीटर हो गई है। कर के आधार

पर अलग–अलग है राज्यों में रेट पेट्रोल और डीजल की कीमतों में देश भर में वृद्धि की गई है, लेकिन इनके दाम स्थानीय कर के आधार पर अलग–अलग राज्यों में भिन्न हैं। पेट्रोल तथा डीजल की कीमतें करीब साढ़े चार महीने तक स्थिर रहने के बाद २२ मार्च को बढ़ाई गई थी। तब से नौवीं बार कीमतों में वृद्धि की गई है। पेट्रोल और डीजल की कीमत में अब तक कुल ६.४० रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में पेट्रोल–डीजल क्रमशः १०१.८१ ९३.०७, मुंबई में ११६.७२ १००.९४, चेन्नई में १०७.४५ ९७.५२, में कोलकाता १११.३५ ९६.२२।

विश्व में 48.68 करोड़ हुए कोविड-19 के मामले, 61.3 लाख लोगों की हो चुकी है मौत

नई दिल्ली । विश्व में कोविड के मामले बढ़कर ४८.६८ करोड़ हो गए हैं। वहीं मृतकों की संख्या करीब ६१.३ लाख लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि वैक्सीन की १०.९४ अरब डोज दी जा चुकी है। ये जानकारी जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ने साझा की है। यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम

साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) ने गुरुवार सुबह नए अपडेट में बताया कि वर्तमान वैश्विक मामलों, और कोविड से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर क्रमशः ४८६,८२५,६५७, और ६,१३८,१९६ हो गई है। वहीं टीकाकरण की कुल संख्या बढ़कर १०,९४०,५५४,१३६ हो गई है। सीएसएसई के अनुसार, दुनिया के सबसे ज्यादा मामलों और मौतों ८०,०५७,१२६ और ९७६,८७० के साथ अमेरिका सबसे ज्यादा प्रभावित देश बना हुआ है। कोरोना मामलों में भारत दूसरा सबसे प्रभावित देश है, जहां कोविड के ४३,०२३,२१५ मामले सामने आ चुके हैं। आंकड़ों के अनुसार, एक करोड़ से ज्यादा मामलों वाले अन्य सबसे प्रभावित देश ब्राजील (२९,९२०,६०४) फ्रांस (२५,६३३,४७६), यूके (२१,२३४,७१९), जर्मनी (२१,१४२,२१७), रूस (१७,५६४,१८६), तुर्की (१४,८४६,२२४), इटली (१४,५७५,५४८), दक्षिण कोरिया (१३,०९५,६३१) और स्पेन (११,५०८,३०९) हैं।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का राष्ट्रव्यापी विरोध-प्रदर्शन

विशेष संवाददाता

देहरादून। देश में बढ़ती महंगाई के खिलाफ आज कांग्रेस ने दिल्ली से लेकर दून तक राष्ट्रव्यापी धरना प्रदर्शन किया। उत्तराखंड की राजधानी सहित सभी 13 जिलों में कांग्रेसी नेता बैनर–पोस्टर और खाली गैस सिलेंडर लेकर सड़कों पर उतरे और केंद्र तथा राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

देश में बीते कुछ दिन से महंगाई में तेजी से वृद्धि हो रही है। खासतौर पर पेट्रोल–डीजल की कीमतें एक बार फिर आसमान छूती दिख रही हैं। बीते 10 दिनों में पेट्रोल–डीजल के दामों में 9 बार वृद्धि हो चुकी है आज भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में 80 पैसे की वृद्धि की गई। लगातार बढ़ती कीमतों के कारण पेट्रोल एक बार फिर 100 के पार और

●उत्तराखंड के सभी जिलों में धरना प्रदर्शन
●बीते 10 दिनों में 9 बार बढ़े पेट्रोल डीजल के दाम

डीजल 90 के पार पहुंच गया है। वही रसोई गैस सिलेंडर की कीमत भी 1000 के पास पहुंच गई है।

चुनाव परिणाम आने यानी 10 मार्च से पहले 137 दिनों तक पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार भी वृद्धि नहीं की गई थी जबकि चुनाव निपटने के बाद पेट्रोल–डीजल की कीमतों में हर रोज इजाफा हो रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा को लोगों से ज्यादा चुनाव की चिंता थी इसलिए उसने चुनाव से पहले अपने टैक्स में कटौती कर थोड़ी सी राहत दी थी, लेकिन जैसे ही चुनाव हुए फिर से महंगाई बढ़नी शुरू हो गई।

महंगाई के इस मुद्दे को लेकर आज दिल्ली में कांग्रेस ने बड़ा धरना–प्रदर्शन किया। जिसमें राहुल गांधी से लेकर कई बड़े नेताओं ने भाग लिया। आज उत्तराखंड में भी राजधानी दून से लेकर पिथौरागढ़ व चंपावत तक सभी 13 जिलों में कांग्रेसियों ने बैनर–पोस्टर व खाली गैस सिलेंडरो के साथ धरना–प्रदर्शन किया और भाजपा की केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। भले ही चुनाव में कांग्रेस को बड़ी हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन वह महंगाई के मुद्दे पर अभी भी सरकार और आम आदमी का ध्यान इस ओर खींचने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस का कहना है कि जनहित मुद्दों पर उसका संघर्ष जारी रहेगा।

महिला चिकित्सक को अपहरण कर जान से मारने की दी धमकी

संवाददाता

देहरादून। नौकरानी के पति द्वारा होम्योपैथी चिकित्सको को अपहरण व बलात्कार कर जान से मारने की धमकी दी गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेसकोर्स निवासी होम्योपैथी चिकित्सक संदीप कौर ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह विगत 18 साल से यहां पर प्रैक्टिस कर रही है।

सी ब्लाक नई बस्ती निवासी माया राम की पत्नी कृष्णावती उसके साथ साफ सफाई का काम करती है। कृष्णावती अपने शराबी पति की रोज–रोज की मारपीट से तंग आकर एक माह से अलग कमरा लेकर रही है। जिसके बाद से मायाराम उसके क्लीनिक में आकर गाली गलौच करता है तथा अलग–अलग नम्बरों से उसको फोन कर धमकी दे रहा है। शुरू में उसने उसको नजरअंदाज कर दिया। गत सांय उसके पास पटेल नामक व्यक्ति का फोन आया जो अपने आपको यूपी के बलरामपुर थाने का अधिकारी बता रहा था और उसको धमकी देने लगा। उसके बाद उसने कई फोन किये लेकिन उसने नहीं उठाया।

सुबह जब उसने फोन उठाया तो फोन पर उसको गंदी–गंदी गलियां दी गयी तथा अपहरण कर उसके साथ बलात्कार कर जान से मारने की धमकी दी गयी जिससे वह काफी डर गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस्टाग्राम से बने दोस्त ने पार्सल के नाम पर एक लाख रुपये ठगे

संवाददाता

देहरादून। इस्टाग्राम से दोस्ती होने के बाद पार्सल भेजने के नाम पर एक लाख 15 हजार रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किशनपुर निवसी प्रज्ञा टैंग ने साईबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसको इंस्टाग्राम से एक फ्रेंड रिक्वेस्ट आयी थी जेनथन मार्क के नाम से उसने मुझसे मेरा व्हटसअप नम्बर मांगा और हमारी बातचीत होने लगी। कुछ दिन बाद उसने मुझे बोला कि वो एक पार्सल भेज रहा है लंदन से जो कि 5 मार्च 2022 को आने वाला था उसने मुझे वो लेने के लिये कहा । मेरे उसको कई बार मना करने के बावजूद उसने बोला कि आप उसे ले लो और वो उसने भेज दिया। सात मार्च को सुबह 11 बजे मोबाइल नम्बर 8798035394 से मुझे फोन आया उन्होंने बोला की मैं पार्सल डिलीवरी से एजेंट मार्क बोल रहा हूं। उन्होंने कहा की आपको पार्सल रिलीज कराने के लिये कस्टम चार्जेस देने होंगे जो कि 35000 रुपये है और उन्होंने अकाउंट डीटेल्स भेजी जो कि पीछे दी गयी है । उनको मैने 35000 रुपये भेजे और रसीद माँगी । उन्होने कहा की 35000 रूपये काफी नहीं हैं यह एक अन्तराष्ट्रीय पार्सल है तो ज्यादा रुपये लगेगें। वो रक्म एक लाख पचास हजार रुपये थी। मैंने उन्हें 80,000 रुपये और भेजे। और रूपये न होने के कारण मैंने वो पार्सल लेने से मना कर दिया और कहा की मेरे रुपये मुझे वापस करे उसने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता। इस पर मैं दूसरे दिन 8 मार्च को पुलिस स्टेशन गयी और इस संबंध में सूचना दी। साइबर थाने के आदेश पर राजपुर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो युवक हुए लापता

देहरादून (सं)। दो युवक लापता हो गये। पुलिस ने दोनों की गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इरशाद सलमानी पुत्र आरिफ सलमानी निवासी खैरी खुर्द ने रायवाला थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि आज मेरा पुत्र फरहान सलमानी निवासी खैरी खुर्द आज सवा ग्यारह बजे महन्त मेडिकल स्टोर से सामने से अपने दोस्त दिव्य प्रताप सिंह पुत्र डी पी सिंह निवासी रायवाला के साथ हरिद्वार की तरफ विक्रम में बैठकर रेलवे स्टेशन के तरफ जाते हुए दिखाई दिए। जिनको काफी तलाश किया लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका है। वहीं प्रतीत नगर निवासी बीपी सिंह ने भी अपने बेटे दिव्य प्रताप सिंह के गुम होने की तहरीर रायवाला थाना पुलिस को दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, ***एडवोकेट***
बैजनाथ, ***एडवोकेट***
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।